डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

एक दिवसीय ई–संगोष्ठी

विषय–संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम

आयोजक– भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी., डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय, मुंगेली, (छ.ग.)

दिनांक– 8 अक्टूबर 2021

भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी., डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं शास. नवीन महाविद्यालय, मुंगेली, (छ.ग.) के द्वारा एक दिवसीय ई. संगोष्ठी –''संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम'' विषय पर आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर (उ. प्र.) उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का प्रारंभ सहायक प्राध्यापक डॉ. रेनू शुक्ला जी द्वारा वैदिक मंगलाचरण से किया गया इसके पश्चात् प्रो. वेद प्रकाश मिश्र ने स्वागत भाषण एवं विषय प्रर्वतन करते हुए बताया कि शोध किसी भी विषय का एक महत्वपूर्ण पहलू है, यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है।

इसके पश्चात कला संकाय की अध्यक्ष परम सम्माननीया डॉ. संगीता सिंह ने अपने उद्बोधन मे उपस्थित सभी विद्वतजनों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला ततपश्चात् कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परम आदरणीय डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने अपने ज्ञानवर्धन उद्बोधन में ''संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम'' विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारे प्राचीन वैदिक वाङ्मय में शोध के विभिन्न आयाम निहीत है। विश्व वाङ्मय मे संस्कृत साहित्य का अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है। संस्कृत साहित्य के अन्तर्गत वेद, ब्राह्मण, उपनिषद्, धर्मशास्त्र, दर्शन शास्त्र पुराण रामायण, महाभारत अन्य सभी शास्त्र तथा सभी दृश्य एवं श्रव्य काव्यों की परिगणना होती है। संस्कृत साहित्य की कलेवर वृद्धि करने में वाल्मीकि एवं व्यास के पश्चात कालिदास, भवभूति, अश्वघोष, बाणभट्ट, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, भास आदि महाकवियों का योगदान रहा और इन ग्रंथों में अनेक शोध किये जा चुके है तथा सत्त रूप से चल रहा है। शोध शब्द दिवादिगणिय सुध, शोधने धातु से धय् प्रत्यय करने पर बनता है जिसका अर्थ है शुद्धि संस्कार।

अनुसंधान तुलना अनुशीलन परिशोधन सर्वेक्षण, अन्वेषण, गन्वेषणा इत्यादि इसके पर्याय है किन्तु सामान्यतया शोध के लिए अनुसंधान शब्द का ही प्रयोग किया जाता है। अनुसंधान का व्युपत्ति लब्ध अर्थ है– अनुसंधयितेऽनने इति अनुसंधानन अर्थात् किसी लक्ष्य को सामने रखकर दिशा विशेष में बढ़ाना। शोध के आयाम, घटक तत्त्वों से अभिप्राय उन संसाधनों से है जिनके द्वारा

शोधार्थी अपने शोध कार्य सम्पादित करते है सुन्दर, सुव्यवस्थित एवं सारगर्भित शोध कार्य के लिए शोध के घटक तत्त्व अतिमहत्त्वपूर्ण होते है।

इसके बाद डॉ. सी. व्ही. रमन वि.वि. के मुखिया, कुलपति महोदय सम्माननीय प्रो. आर. पी. दुबे जी ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में मुख्य वक्ता महोदय का सम्मान एवं स्वागत करते हुए संस्कृत ग्रंथों में शोध की आवश्यकता और महत्त्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

कार्यक्रम मे सभी विभागों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारी, अधिकारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति बाला गुप्ता द्वारा किया गया अन्त में विभाग के कृष्ण कुमार भास्कर सहायक प्राध्यापक द्वारा सभी विद्वान अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा कार्यक्रम में 52 सहभागियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

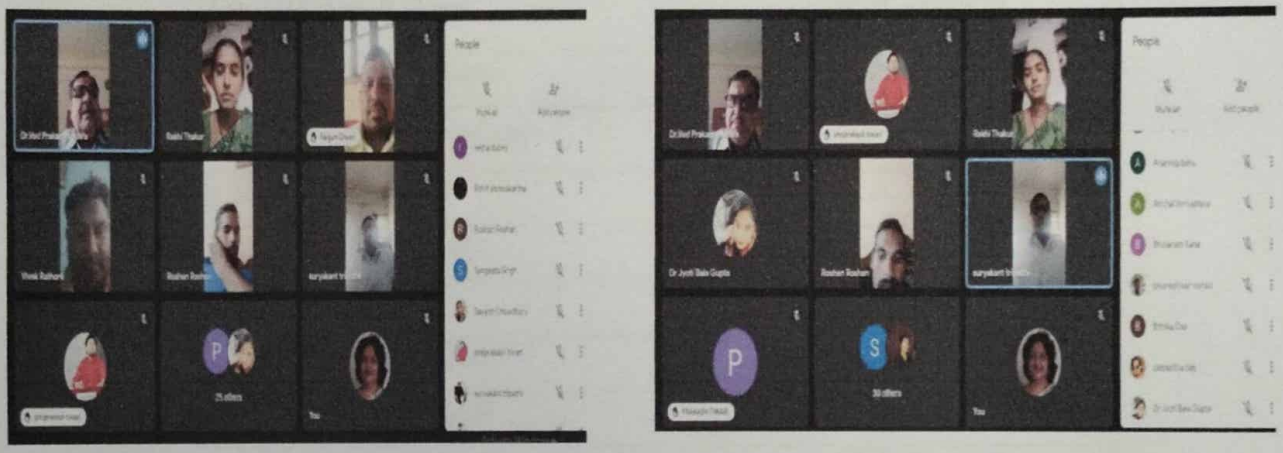

मुख्य वक्ता डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी का उद्‌बोधन

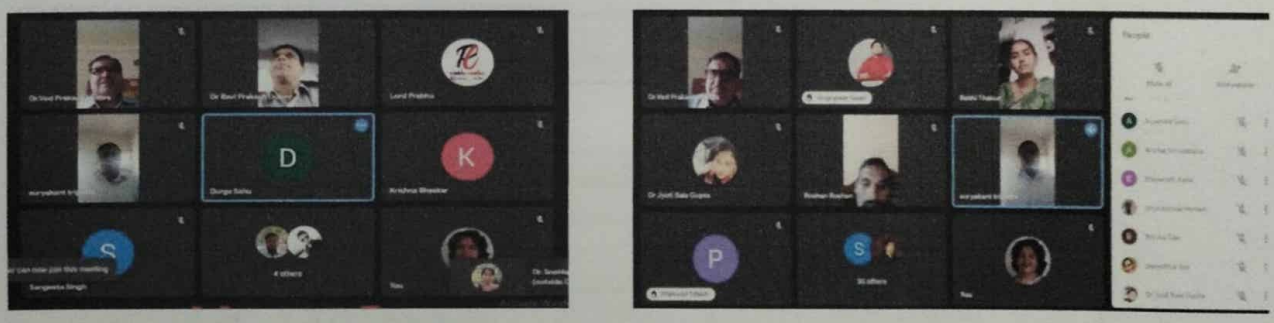

परम सम्माननीय कुलपति महोदय प्रो. आर. पी. दुबे जी का अध्यक्षीय उद्‌बोधन

प्राचार्य
शासकीय नवीन महाविद्यालय
अमोरा, जिला–मुंगेली (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road kota, Bilaspur (C.G.)

प्रतिभागियों की सूची
ई–संगोष्ठी–संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम

S.N.	Name of Participants	Course
1	Anamika Sahu	M.A. Sanskrit
2	Bhuneshwar Nishad	M.A. Sanskrit
3	Durga Sahu	M.A. Sanskrit
4	Nema Sahu	M.A. Sanskrit
5	Rajiv Ratna Sharma	M.A. Sanskrit
6	Reshu Keshari	M.A. Sanskrit
7	Rohit Vishwakarma	M.A. Sanskrit
8	Sandhya	M.A. Sanskrit
9	Anjali Garai	M.A. Sanskrit
10	Arjun Banjare	M.A. Sanskrit
11	Archana Kashyap	M.A. Sanskrit
12	Gautmee	M.A. Sanskrit
13	Kishan Anant	M.A. Sanskrit
14	Madhu	M.A. Sanskrit
15	Manoj Paikra	M.A. Sanskrit
16	Pankaj Jangde	M.A. Sanskrit
17	Shriprakash Tiwari	M.A. Sanskrit
18	Yashawant Banjare	M.A. Sanskrit
19	Dipak Ming	M.A. Chhattisgarhi
20	Manish Kaushik	M.A. Chhattisgarhi
21	Ghanshyam Prasad Kaushik	M.A. Chhattisgarhi
22	Vajindar Pal Navrang	M.A. English
23	Avish Kashyap	M.A. English
24	Chetan Patel	M.A. Hindi
25	Daisymoon Jangde	M.A. Hindi
26	Durgeshwari Dhruw	B.A.
27	Jeshnarayan Jaiswal	B.A.

28	Kaveri Singh	B.A.
29	Mamta Sahu	B.A.
30	Mukesh kumar	B.A.
31	Phukali Patre	B.A.
32	Roshan lal	B.A.
33	Suraj sahu	B.A.
34	Surekha	B.A.
35	Nitesh Sahu	B.A.
36	Nagita Soni	Ph.D.
37	Seema Chinappa	Ph.D.
38	Pravin Mishra	Ph.D.
39	Dr. Ved Prakash Mishra	Faculty
40	Dr. Renu Shukla	Faculty
41	Dr. Richa Yadaw	Faculty
42	Dr. Kajal Moitra	Faculty
43	Dr. Ram Ratan Sahu	Faculty
44	Mr. Rakesh Gupta	Faculty
45	Dr. Pratima Bais	Faculty
46	Dr. Reena Tiwari	Faculty
47	Mr. Shahid Hussain	Faculty
48	Mr. Trilokee Singh Kshatri	Faculty
49	Dr. Aanchal Shrivastava	Faculty
50	Dr. Snehlata Nirmalkar	Faculty
51	Dr. Krishna Kumar Pandey	Faculty
52	Dr. Sandhya Jaiswal	Faculty

प्राचार्य
शासकीय नवीन महाविद्यालय
अमोरा, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C. V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NACC
Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.)
Ph. No.07753-253801, 9617779301 Fax:07753-253728
e-mail:info@cvru.ac.in, website: www.cvru.ac.in

क्रं./180/भाषा विज्ञान विभाग/2021–22 कोटा/दिनॉक – 04 /10/2021

प्रति

समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष
डॉ. सी.व्ही. रमन विश्वविद्यालय,
करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

विषय :– दिनांक 08/10/2021 को ''संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी आयोजित करने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि दिनांक 08/10/2021 को भाषा विज्ञान विभाग, आई.क्यू. ए. सी., डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं शास. नवीन महाविद्यालय, मुंगेली, (छ.ग.) के संयुक्त तत्वावधान में "संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी आयोजित की जा रही है जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.) होंगे।

इस कार्यक्रम के अवसर पर दिनांक 08/10/2021 को दोपहर 12 बजे से ऑनलाइन गुगल मीट में आप सभी की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान करेगी।

डॉ. मनीषा द्विवेदी
विभागाध्यक्ष
डॉ. सी.व्ही. रमन विश्वविद्यालय,
करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road Kota, Bilaspur (C.G.)

प्रतिलिपि :–

1. माननीय कुलपति महोदय के निज सहायक को माननीय कुलपति जी के सूचनार्थ प्रेषित।
2. माननीय कुलसचिव महोदय के निज सहायक को माननीय कुलसचिव जी के सूचनार्थ प्रेषित।
3. समस्त उपकुलसचिव महोदय (प्रशा.,स्था.,परीक्षा,गोप.,वित्त,अका.) को सूचनार्थ प्रेषित।
4. माननीय प्राचार्य/निदेशक, दूरस्थ शिक्षा, एडमिशन/जन संपर्क अधिकारी (PRO)/शोध समन्वयक महोदय को सूचनार्थ प्रेषित।

ई – संगोष्ठी कार्यक्रम का ब्रोशर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

एक दिवसीय ई-संगोष्ठी

विषयः "संस्कृत वाङ्मय में शोध के विविध आयाम"

मुख्य वक्ता
डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक,
दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)

दिनांक : 8 अक्टूबर 2021, **दिन** : शुक्रवार
समय : दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 :30 बजे तक

आयोजक : भाषा विज्ञान विभाग एवं आई .क्यू .ए .सी .

डॉ. सी.व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगी रोड, कोटा, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

एवं

शास. नवीन महाविद्यालय, मुंगेली (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road kota, Bilaspur (C.G.)